मुख्यमंत्री की उपस्थिति में देश की अग्रणी कम्पनी जेके पेपर ने गुजरात सरकार के साथ किया 1500 करोड़ का एमओयु

गांधीनगर. मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी की उपस्थिति में आज देश की अग्रणी पेपर उत्पादन कम्पनी- जेके पेपर लिमिटेड ने गुजरात सरकार के साथ 1500 करोड़ का एमओयु किया। इस एमओयु के अंतर्गत कम्पनी 1500 करोड़ के पूंजीनिवेश के साथ तापी जिले के आदिजाति क्षेत्र सोनगढ़ में अपने प्लांट का मॉर्डनाइजेशन और विस्तृतिकरण करेगी। यह प्लांट दिसम्बर 2020 तक उत्पादन करने लग जाएगा और इसके कारण बड़े पैमाने पर स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कम्पनी के प्लांट की पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन पर मुख्यमंत्री ने संतोष जताया। इस समझौता करार के वक्त उद्योग एवं खान विभाग के अग्र सचिव श्री एमके दास, उद्योग कमिश्नर श्रीमती ममता वर्मा और इंडेक्स-बी के मैनेजिंग डिरेक्टर श्री आरके बेनीवाल भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि वनबन्धु तापी जिले के सोनगढ़ में स्थित कम्पनी की युनिट वर्तमान में 2200 स्थानीय युवाओं को स्थायी रूप से रोजगार उपलब्ध करवा रही है। अब इस प्लांट के विस्तृतिकरण के चलते 1000 अन्य स्थानीय युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही आदिजाति किसान कम्पनी को पेपर मेन्युफेक्चरिंग के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध करवा सकेंगे। करीब 10,000 वनवासी किसानों को इसके चलते आर्थिक लाभ होगा। इस प्लांट का डिजाइन पर्यावरण के अनुकूल तथा प्लांट की कार्बन फुटप्रिंट न्यूनतम हो, इसका विशेष खयाल रखा गया है। साथ ही, प्लांट में से निकलने वाला गन्दा पानी ट्रीट करके खेती के उपयोग में भी लिया जाएगा। कम्पनी द्वारा कच्चे माल की प्राप्ति के लिए जितने वृक्ष बोए जाएंगे उतने ही वृक्ष पर्यावरण के संवर्धन के लिए भी लगाए जाएंगे। प्लांट के विस्तृतिकरण के लिए कम्पनी 1500 करोड़ का पूंजी निवेश कर रही है। प्लांट की प्रॉसेसिंग क्षमता 60,000 टीपी से बढ़कर 1,60,000 टीपी होगी। विस्तृत होने वाले नये प्लांट में डुप्लेक्स-कोटेड बोर्ड पेपर के उत्पादन पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। कम्पनी के मैनेजिंग डिरेक्टर श्री हर्षपति सिंघानिया ने गुजरात सरकार की सातत्यपूर्ण उद्योग नीतियों और स्थिर सुशासन के चलते अनेक उद्योग आज गुजरात में कारोबार को विस्तृत करने के लिए आतुर हैं। इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में गुजरात लगातार टॉप 5 राज्यों में आता रहा है। इसके कारण कम्पनी गुजरात में दीर्घकालिक आयोजन और पूंजीनिवेश के लिए प्रेरित हुई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए आभार व्यक्त किया।

- तापी जिले के आदिजाति क्षेत्र सोनगढ़ में कम्पनी के प्लांट का आधुनिकीकरण और विस्तार किया जाएगा
- विस्तृतिकरण होने वाले नये प्लांट में डुप्लेक्स-कोटेड बोर्ड पेपर के उत्पादन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा
- करीब 1000 वनबन्धु युवाओं को रोजगार मिलेगा और यह प्लांट दिसम्बर 2020 तक कार्यरत हो जाएगा
- स्थानीय किसान कम्पनी को कच्चा माल उपलब्ध करवा सकेंगे- 10000 किसानों को लाभ होगा